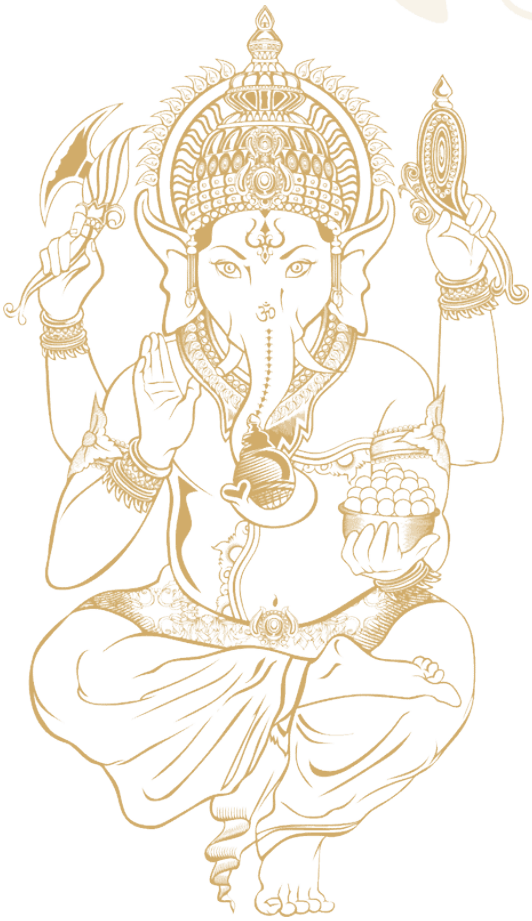

Rahul

Aishwarya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119295901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119295901 Date: 31/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/12/1996	जन्म तिथि	26/02/1996
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:10:00	जन्म समय	13:55:00 घंटे
घटी 11:13:31	जन्म समय(घटी)	18:46:37 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Raipur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:35	सूर्योदय	06:27:03
17:07:51	सूर्यास्त	18:05:41
23:48:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:19
कुम्भ	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	वृष
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
अश्विनी	नक्षत्र	रोहिणी
केतु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	2
शिव	योग	वैधृति
वणिज	करण	बव
ला-लाखन	जन्म नामाक्षर	वा-वाणी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
अश्व	योनि	सर्प
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मृग

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 1वर्ष 6मा 28दि		18:51:22	कुंभ	लग्न	मिथु	18:03:34	चन्द्र 6वर्ष 8मा 13दि	
चन्द्र		04:48:33	धनु	सूर्य	कुंभ	13:13:15	राहु	
18/07/2024		10:19:47	मेष	चंद्र	वृष	14:23:47	09/11/2009	
19/07/2034		01:06:07	कन्या	मंगल	कुंभ	14:46:35	09/11/2027	
चन्द्र	19/05/2025	24:19:36	धनु	बुध	मक	20:44:58	राहु	22/07/2012
मंगल	18/12/2025	28:40:22	धनु	गुरु	धनु	17:18:51	गुरु	16/12/2014
राहु	19/06/2027	09:55:59	वृश्चि	शुक्र	मीन	26:18:45	शनि	22/10/2017
गुरु	18/10/2028	07:02:51	मीन	शनि	मीन	01:09:27	बुध	10/05/2020
शनि	19/05/2030	10:24:24	कन्या व	राहु व	कन्या	24:11:37	केतु	29/05/2021
बुध	18/10/2031	10:24:24	मीन व	केतु व	मीन	24:11:37	शुक्र	28/05/2024
केतु	19/05/2032	08:49:40	मक	हर्ष	मक	08:45:04	सूर्य	22/04/2025
शुक्र	17/01/2034	02:35:37	मक	नेप	मक	02:54:27	चन्द्र	22/10/2026
सूर्य	19/07/2034	10:09:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:17:21	मंगल	09/11/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:54 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:19

लग्न-चलित

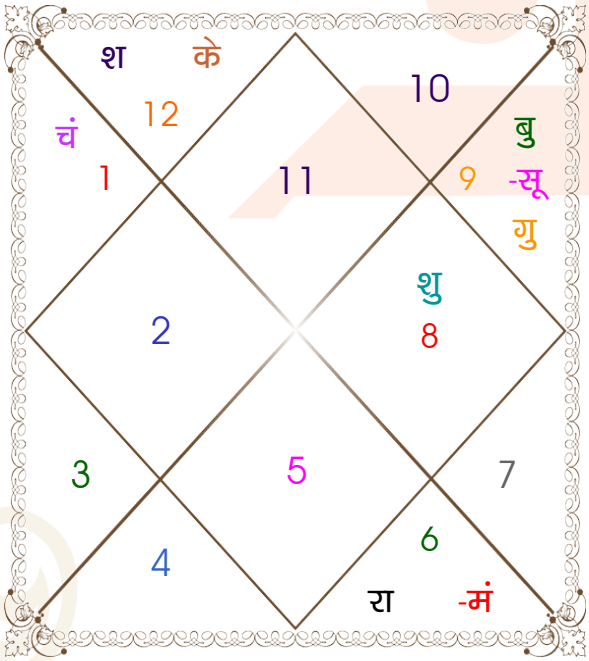

लग्न-चलित

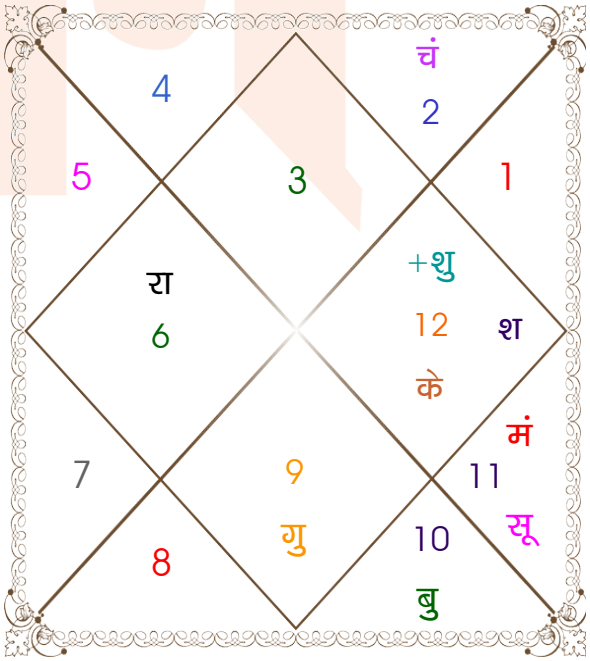

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

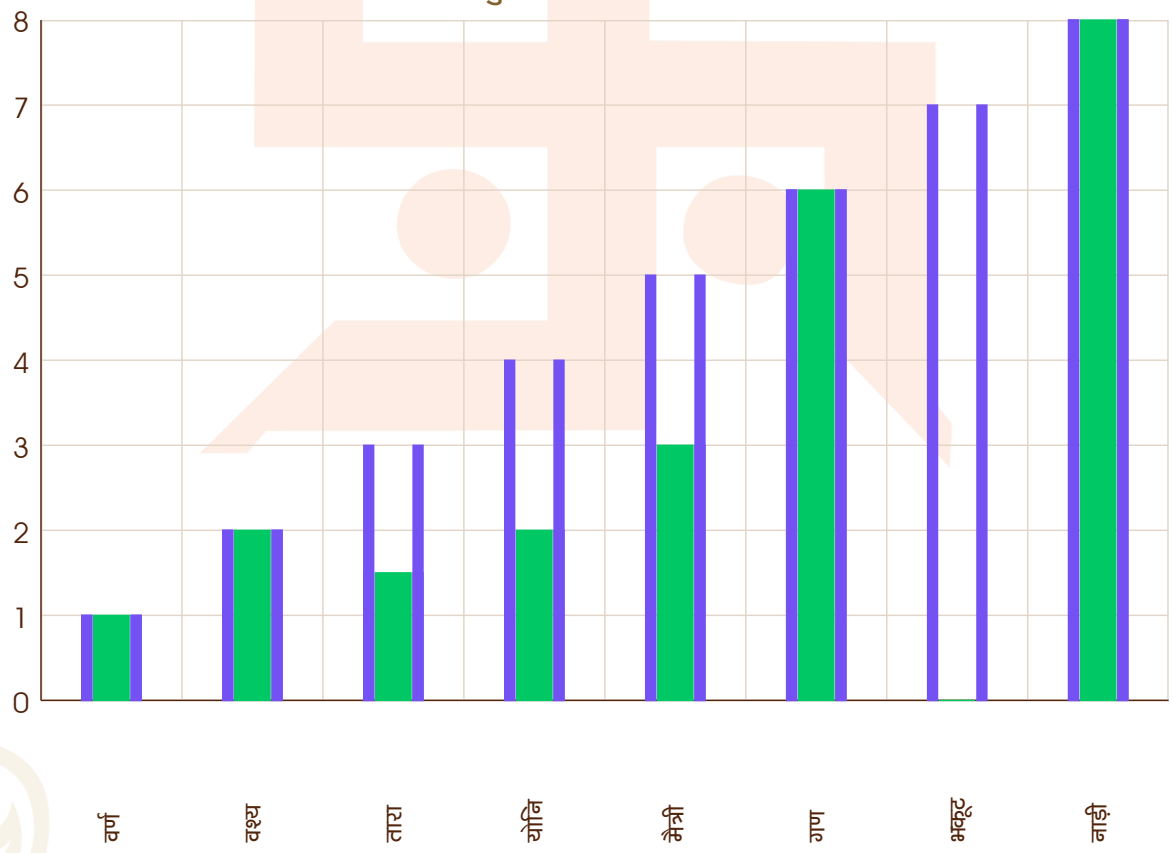

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Rahul का वर्ग मृग है तथा ।र्पीूतलं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rahul और ।र्पीूतलं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Rahul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Rahul कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।र्पीूतलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Rahul तथा ।र्पीूतलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Rahul का वर्ण क्षत्रिय तथा ।र्पोंतलं का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश ।र्पोंतलं आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही ।र्पोंतलं की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Rahul का वश्य चतुष्पद है एवं ।र्पोंतलं का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Rahul एवं ।र्पोंतलं दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Rahul की तारा वध तथा ।र्पोंतलं की तारा क्षेम है। Rahul की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Rahul बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Rahul को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु ।र्पोंतलं लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Rahul की योनि अश्व है तथा ।र्पोंतलं की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी।

अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rahul एवं ।र्पीूतलं दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Rahul का गण देव तथा ।र्पीूतलं का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु ।र्पीूतलं अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Rahul से ।र्पीूतलं की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा ।र्पीूतलं से Rahul की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Rahul गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। ।र्पीूतलं समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Rahul शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Rahul की नाड़ी आद्य है तथा ।र्पीूतलं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता

है। Rahul की आद्य नाड़ी तथा ।पेंूतलं की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Rahul की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा ।र्पोंतलं की राशि पृथ्वीतत्व युक्त वृष राशि है। चूंकि अग्नि एवं पृथ्वी में समानताएं कम एवं असमानताएं अधिक हैं अतः इनकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमताएं विद्यमान रहेंगी जिससे ये समय समय पर व्यवधानों का सामना करेंगे। अतः Rahul और ।र्पोंतलं दोनों को आपसी सांमजस्य एवं सहनशीलता के भाव को प्रदर्शित करना पड़ेगा तभी किंचित समता हो सकती है।

Rahul की राशि मेष एवं ।र्पोंतलं की राशि वृष दोनों एक दूसरे की सम हैं। अतः राशि के प्रभाव से Rahul परिश्रमी, पराक्रमी, शीघ्र आवेग में आने वाले, अपने को श्रेष्ठ समझने वाले, असंयत अधिक व्यय करने वाले, बातूनी तथा आशावादी प्रवृति के व्यक्ति होंगे परन्तु ।र्पोंतलं गम्भीर एवं अल्प भाषी, व्यावहारिक, अभिमानी तथा निराशावादी होंगी। इस प्रकार इनमें विषमताओं की प्रबलता रहेगी परन्तु एक दूसरे को समझने तथा परस्पर सामंजस्य से इसमें किंचित न्यूनता कर सकते हैं। आप दोनों की राशि एक दूसरे की राशि से द्वितीय-द्वादश में पड़ती है अतः इससे आपके व्यय में वृद्धि रहेगी फलतः आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

आप दोनों का वश्य चतुष्पाद है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरूचियां समान रहेंगी तथा दाम्पत्य सुख की प्राप्ति में परस्पर आकर्षण उत्साह एवं प्रसन्नता का भाव रहेगा जिससे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन में आपको शांति एवं सन्तुष्टि के क्षणों की प्राप्ति होगी।

Rahul का वर्ण क्षत्रिय होने के कारण वह साहसी परिश्रमी एवं उत्साही व्यक्ति होंगे तथा कार्य क्षेत्र में परिश्रम एवं योग्यता से सफलता प्राप्त करेंगे। ।र्पोंतलं का वैश्य वर्ण होने के कारण व्यापारिक बुद्धि का प्रदर्शन करेंगी तथा बुद्धिमता से धनार्जन करेंगी तथा आर्थिक क्षेत्र में सुदृढ़ता प्रदान करने में उनका प्रमुख योगदान रहेगा।

धन

Rahul और ।र्पोंतलं की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Rahul और ।र्पोंतलं समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से ।र्पोंतलं की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Rahul भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Rahul और ।र्पोंतलं

को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Rahul की नाड़ी आद्य तथा ।र्पोंतलं की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं रहेगा जिससे किसी गंभीर समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु मंगल का ।र्पोंतलं के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होगा जिससे उनको गर्भपात संबंधी परेशानी की संभावना होगी तथा धातु संबंधी रोगों से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही मासिक धर्म संबंधी परेशानी का भी यदा कदा सामना करना पड़ेगा। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए ।र्पोंतलं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Rahul और ।र्पोंतलं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Rahul और ।र्पोंतलं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ।र्पोंतलं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ।र्पोंतलं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ।र्पोंतलं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Rahul और ।र्पोंतलं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Rahul और ।र्पोंतलं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

।र्पोंतलं के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से ।र्पोंतलं को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। ।र्पोंतलं भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से ।र्पोंतलं को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय

जीतने के लिए ।र्पेंूतलं उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी ।र्पेंूतलं के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का ।र्पेंूतलं के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Rahul की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Rahul सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Rahul ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Rahul के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।